हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार,17 फरवरी 2025

12 प्लाट के आगे ट्रांसफार्मर लगाने को लेकर मालिक और बिजली...

12 जीवन के सभी पापों का जनक लोभ है : जैन मुनि

खबर संक्षेप

शराब तस्करों के खिलाफ चलाया अभियान, 7 काबू

फतेहाबाद। एसपी आस्था मोदी के दिशा-निर्देशानुसार जिला पुलिस द्वारा शराब तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए 7 लोगों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। थाना भट्टूकलां पुलिस की टीम पीएसआई जगतपाल के के नेतृत्व में गश्त पर थी। पुलिस ने किरढ़ान रोड पर बिजली घर के पास प्लास्टिक कट्टे लिए आते एक युवक को शक के आधार पर काबू किया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम मनीष पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी गुजरा मोहल्ला भट्टूकलां बताया। पुलिस ने उसके पास से 15 बोतल ठेका शराब देसी बरामद की।

दो बाइक में टक्कर, एक व्यक्ति की मौत

फतेहाबाद। गांव खैरातीखेड़ा के समीप दो मोटरसाइकिलों के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है वहीं आरोपी बाईक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव खैरातीखेड़ा निवासी भतेरी देवी ने कहा है कि उसका पति राजेन्द्र कुमार मजदूरी का काम करता था। गत दिवस राजेन्द्र अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर गांव के खेत से वापस घर आ रहा था। जैसे ही वह गांव के पास पहुंचा तो सामने से आ रहे एक अन्य मोटरसाइकिल के चालक ने सीधी टक्कर दे मारी।

पुलिस ने जांचे होटल धर्मशालाओं के रिकॉर्ड

डबवाली। पुलिस प्रशासन ने रविवार को उपनिरीक्षक सुभाष चंद्र के नेतृत्व में होटल, धर्मशालाओं व कैफे में जांच का विशेष अभियान चलाया। इस दौरान सुरक्षा शाखा प्रभारी ने संचालकों को उनके यहां काम करने वाले कर्मचारियों को वेरिफिकेशन व रुकने वाले व्यक्तियों का रिकॉर्ड सुव्यवस्थित तरीके से रजिस्टर में इंद्राज करने के निर्देश दिए। थाना प्रभारी सुभाष चंद्र ने निर्देश दिए कि उनके पास आने वाले लोगों को बिना

लायंस क्लब सदस्यों ने गोशाला में की सेवा

रतिया। लायंस क्लब रतिया सिटी समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी अग्रणी भूमिका निभाते हुए विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहा है। लायंस क्लब के सदस्य सतीश सरदाना के जन्म दिवस के अवसर पर श्री गुरु नानक गोशाला रतिया में हरा चारा की सेवा की गई। क्लब के सदस्य अपने जन्म दिवस पर, वैवाहिक वर्षगांठ पर, माता-पिता की पुण्यतिथि पर ऐसे पुण्य के कार्य हमेशा करते रहते हैं। क्लब सचिव गोपाल चंद कुलरियां ने बताया कि सोमवार को निःशुल्क आंखों का जांच कैंप आयोजित किया जाएगा। फतेहाबाद रोड पर गुरु नानक आंखों के अस्पताल में आंखें निशुल्क जांच की जाएंगी और फिर चिन्हित करके उनके लैंस वाले फ्री ऑपरेशन किए जाएंगे।

दुष्कर्म व पोक्सो अधिनियम के तहत आरोपी गिरफ्तार

डबवाली। विभिन्न मामलों में वांछितों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए थाना सदर पुलिस ने दुष्कर्म करने व पॉक्सो अधिनियम के मामले में आरोपी परमिल कुमार निवासी तरकांवाली को गिरफ्तार किया है। सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर ब्रह्मप्रकाश ने बताया कि बीती 11 फरवरी को पीड़िता के मामा निवासी चौटाला के बयान पर आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया गया था। जांच के दौरान आरोपी परमिल कुमार को अब गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को अब अदालत में पेश किया जाएगा।

कुस्सर स्कूल में स्टेम मेले का आयोजन

सिरसा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुस्सर में स्टेम मेले का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया और अपने अपने माडल प्रदर्शित किए। स्कूल के प्रधानाचार्य राज कुमार अरोड़ा ने स्टाफ सदस्यों के साथ मेले का अवलोकन किया और विद्यार्थियों को बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता में भाग लेने से विद्यार्थियों में पाई जाने वाली प्रतिभा का विकास होता है और जिंदगी में आगे बढने की प्रेरणा भी मिलती है। इस अवसर पर नवदीप कुमार, अर्चना, रचना, मीनू मेहता, पवन कुमार आदि रहे।

खेतों में डीजल पम्पों से सिंचाई होने से कृषि लागत में हुई बढ़ोतरी

फरवरी में भी नहीं हुई बरसात, नहरों में पानी की किल्लत के चलते बिजली की बढ़ी डिमांड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

इस बार 27 दिसम्बर के बाद से पश्चिमी विक्षोभ के बेअसर होने के चलते दिसम्बर व जनवरी के बाद फरवरी में अभी तक बिलकुल बारिश नहीं हुई। बारिश न होने से लगातार सूखी ठंड व दिन में तेज धूप निकल रही है। इसके साथ ही भाखड़ा डैम में पानी के स्तर में आई गिरावट से नहरों में 16 दिन की बजाय 8 दिन पानी सप्लाई दिया जा रहा है। यही कारण है कि किसानों को डीजल पम्पों के सहारे फसलों की सिंचाई करनी पड़ रही है। ऐसा 12 सालों बाद हुआ है। प्रदेश में पिछले 15 दिनों में करीब 3 करोड़ यूनिट प्रतिदिन बिजली की डिमांड में इजाफा हुआ है। रविवार को एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से यहां बादलवाई रही। हालांकि

फतेहाबाद। रविवार को खेतों में छाए बादल। फोटो :हरिभूमि

मौसम विभाग ने 19 फरवरी से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की उम्मीद जताई है, जिस कारण दो दिन प्रदेश में बारिश व बूंदाबांदी की भविष्यवाणी की गई है। इस बार 19 दिसम्बर तक दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहा। 23 दिसम्बर से धुंध पडऩी शुरू हो गई, जिसके बाद लगातार तापमान में गिरावट आती गई। 23 दिसम्बर से लगातार प्रदेश में धुंध पड़ रही है, जिस कारण ठंड ने नए रिकार्ड बनाए। प्रदेश का न्यूनतम तापमान 3.4 डिग्री से 6.4 डिग्री के बीच घूमता रहा। ऐसा 12 सालों बाद हो रहा है कि प्रदेश में पूरा दिसम्बर बीत गया और जनवरी के के बाद फरवरी भी आधी बीत चुकी है, लेकिन यहां बारिश नहीं हुई। बारिश न होने से रबी फसलों को पूरी खुराक नहीं मिल पाई।

बिजली न मिलने और नहरीबंदी के चलते डीजल पम्पों से सिंचाई कर रहे किसान

दिसम्बर-जनवरी में किसानों को गेहूं में सिंचाई नहीं करनी पड़ती थी। बरसात के कारण किसानों को बिजली व पानी दोनों की बचत हो जाती थी। इस बार धुंध पडऩे से खेती के लिए बिजली कम मिली वहीं भाखड़ा डैम में जलस्तर में आई कमी के कारण नहरों में पानी की राशनिंग कर दी गई। यहां नहरों के ए और बी दो ग्रुप बने हुए हैं। दोनों ग्रुपों में 16-16 दिन पानी चलता था और 16 दिन पानी बंद रहता था। जलस्तर में कमी के कारण सिंचाई विभाग ने अब नहरों में 16 दिन की बंदी की है और 8 दिन नहरों में पानी छोड़ा जा रहा है, जिस कारण किसानों ने डीजल से पम्पसैट चलाकर खेतों में सिंचाई करनी पड़ रही है। इससे किसानों की लागत भी बढ़ गई। यहां 25 दिसम्बर तक 13 करोड़ 50 लाख यूनिट प्रतिदिन बिजली की डिमांड थी। अत्याधिक ठंड पडऩे व बरसात न होने से खेतों में भी सिंचाई के लिए बिजली की जरूरत थी और घरेलू जरूरतों को लेकर बिजली की डिमांड बढ़ी। अब प्रतिदिन 16 करोड़ यूनिट की डिमांड है।

संदीप मैहता, कार्यकारी अभियंता, डीएचबीवीएन

टोहाना से पातड़ा धाम तक 35 किमी की पैदल यात्रा में सैकड़ों ने लिया हिस्सा

फतेहाबाद। टोहाना में श्याम परिवार द्वारा फाल्गुन माह के उपलक्ष्य में बाबा श्याम के पातड़ा धाम तक विशेष ध्वजा यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा सुबह आर्य समाज मंदिर के सामने से प्रारंभ हुई और चंडीगढ़ रोड मुनक होते हुए खाटू श्याम के पातड़ा धाम में समाप्त हुई। इस पवित्र यात्रा में टोहाना क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल थे। भजन गायक अश्विनी बंसल के अनुसार, संस्था ने यात्रा के दौरान सभी श्रद्धालुओं के लिए 'बाबा श्याम की रसोई' की विशेष व्यवस्था की थी। 35 किलोमीटर की इस यात्रा में श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के भजनों पर नृत्य करते और गाते हुए अपनी श्रद्धा व्यक्त की। बाबा श्याम को 'हारे के सहारे' के नाम से जाना जाता है, और विश्वास है कि वे अपनी शरण में आने वाले हर भक्त की मनोकामना पूरी करते हैं। टोहाना में श्याम परिवार नियमित रूप से बाबा श्याम से संबंधित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है।

सिरसा के खिलाड़ियों ने टेनिस टूर्नामेंट में किया शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

फरीदाबाद में बीती 10 फरवरी से 14 फरवरी तक आयोजित ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन चैंपियन सीरीज-7 टेनिस टूर्नामेंट में सिरसा के दो होनहारों ने शानदार प्रदर्शन कर जिले को गौरवान्वित किया है। कोच रेशम सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में नेजाडेला कलां स्कूल की छात्रा आविका श्योराण

सिरसा। टेनिस टूर्नामेंट के विजेता खिलाड़ी।

अंडर-14 गर्ल्स में विजेता बनी, जबकि अनाजमंडी स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय का छात्र सुखलीन शर्मा अंडर-12 में उपविजेता रहा। कोच रेशम सिंह ने बताया कि फिलहाल दोनों खिलाड़ी उनके मार्गदर्शन में शहीद भगत सिंह स्टेडियम में प्रशिक्षण ले रहे हैं। उन्होंने दोनों खिलाडिय़ों को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि दोनों खिलाड़ी काफी प्रतिभावान हैं और खेल के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं।

लाइब्रेरी का किया उद्घाटन, 31 खिलाड़ी सम्मानित

- पूर्व विधायक की 38वीं पुण्यतिथि पर कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

टोहाना में पूर्व विधायक स्वर्गीय हनुमान बिश्नोई की 38वीं पुण्यतिथि पर रविवार को विशेष श्रद्धांजली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री गुरु जम्भेश्वर मंदिर और बिश्नोई धर्मशाला के 40वें स्थापना दिवस पर भव्य समारोह आयोजित किया गया।

फतेहाबाद। टोहाना में पूर्व विधायक हनुमान बिश्नोई को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए।

कार्यक्रम में फतेहाबाद सिंचाई विभाग के एसई ओम प्रकाश बिश्नोई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही पूर्व विधायक के पुत्र मनोज हनुमान सिंह, पुत्रवधू माया देवी, बिश्नोई सभा प्रधान बलदेव सिंह लोहमरोड, महंत सच्चिदानंद महाराज और नगर परिषद प्रधान नरेश बंसल समेत कई गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम में शिरकत की। मुख्य अतिथि ने कहा कि यह सुविधा जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में मददगार साबित होगी। इस अवसर पर विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 31 प्रतिभावान खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया।

जुए के अड्डे पर पुलिस की रेड, 2.38 लाख जुआ राशि सहित 12 काबू

सिरसा। सीआईए ऐलनाबाद पुलिस ने गश्त के दौरान नजदीक रेस्ट हाउस चतरगढ़ पट्टी रोड सिरसा क्षेत्र में जुआ खेल रहे 12 लोगों को काबू कर उनके कब्जे से 2 लाख 38 हजार 410 रुपए की जूआराशि व ताश बरामद की है। सीआईए ऐलनाबाद प्रभारी सब इंस्पेक्टर जगदीश चंद्र ने बताया कि सीआईए ऐलनाबाद की एक पुलिस टीम गश्त के दौरान चतरगढ़ पट्टी रोड सिरसा क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस पार्टी को महत्वपूर्ण सूचना मिली कुछ लोगों द्वारा रेस्ट हाउस के नजदीक चतरगढ़ पट्टी रोड क्षेत्र में स्थित एक जगह पर जुआ खेला जा रहा है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान गोपाल दास पुत्र लक्ष्मण निवासी ढाणी रामपुरा, हैप्पी पुत्र जोगेंद्र सिंह निवासी वार्ड नंबर एक रानियां, कैलाश पुत्र बलवंत सिंह निवासी भगत सिंह कॉलोनी सिरसा, वीरेंद्र पुत्र हरिश्चंद्र निवासी वार्ड नंबर 9 फ्रेंड्स कॉलोनी सिरसा,मोनू पुत्र हरि निवासी खन्ना कॉलोनी सिरसा, कृष्ण दास पुत्र अमरनाथ, बृजा राम पुत्र पूसाराम, सुभाष पुत्र सुरजीत सिंह, प्रवीण पुत्र खजान सिंह निवासी शाहिदावाली, जिला फतेहाबाद, हैप्पी पुत्र राजेंद्र निवासी खारिया,विनोद कुमार पुत्र नंदलाल , सरप्रीत सिंह सिंह पुत्र सुखचैन सिंह निवासी वेदवाला जिला सिरसा के रूप में हुई है।

पुलिस वर्दी पहनकर ठगने जा रहे गिरोह का पर्दाफाश

- नकली नोटो की गड्डियां दिखाकर करते थे ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद/भूना

हरियाणा पुलिस की वर्दी पहनकर और नोटों की नकली गड्डियां दिखाकर लोगों को ठगने वाले गिरोह का पर्दाफॉश करते हुए भूना पुलिस ने वर्दीधारी एक युवक को काबू किया है जबकि उसके दो साथी मौके से भागने में कामयाब रहे। पुलिस ने पकड़े गए युवक के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज किया है। सब इंस्पेक्टर एवं पुलिस जांच अधिकारी रविंद्र कुमार बिश्नोई की टीम फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। पकड़े गए आरोपी को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार भूना पुलिस की टीम एसआई रविन्द्र के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी। पुलिस टीम जब भूना बस अड्डे के पास नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रही थी तो उकलाना की तरफ से एक मोटरसाइकिल पर तीन युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने जब इनको रूकने का इशारा किया तो युवक घबरा गए और मोटरसाइकिल को वापस मोडऩे की कोशिश करने लगे। शक के आधार पर पुलिस कर्मचारियों ने युवकों का पीछा किया तो दो युवक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग गए जबकि एक युवक को पुलिस ने काबू कर लिया। पकड़े गए युवक ने हरियाणा पुलिस की वर्दी पहनी हुई थी। पूछताछ में युवक ने अपना नाम विकास पुत्र रामकिशन निवासी बोबुआ जिला हिसार बताया। पुलिस ने जब वर्दी पहने युवक से उसकी आईडी मांगी तो वह कोई आईडी नहीं दिखा पाया। पुलिस ने जब बाईक को चैक किया तो कोई कागजात बरामद नहीं किए। युवक के पास पिट्ठू बैग को चैक करने पर पुलिस को उसमें से हरियाणा पुलिस की कैप, चिल्ड्रन बैंक ऑफ इंडिया के 500 के फुल फन लिखे नोट की गड्डियां व 8 सफेद कागजात की गड्डियां मिली। पुलिस ने पाया कि 5 गड्डियों पर 2-2 नोट 500 के नकली नोट व अंदर 96-96 सफेद कागज लगे थे।

आरोपी को लिया रिमांड पर, पूछताछ जारी

भूना थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार ने बताया कि पुलिस ने नकल नोटनुमा कागजो की गड्डी रखकर जुर्म करने की नियत और हरियाणा पुलिस हवलदार की वर्दी पहनकर धोखाधड़ी करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी विकास को न्यायालय में पेश करके एक दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है।

जाखल नपा चुनाव : आज नामांकन का आखिरी दिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिले की जाखल नगर पालिका चुनाव को लेकर आज नामांकन भरने का अंतिम दिन है। रविवार को भी जाखल में चुनावी सरगर्मियां जोरों पर रही। सोमवार को नामांकन के लिए उम्मीदवार तैयारियों में जुटे नजर आए। यहां अब तक 14 वार्डों के लिए कुल 28 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है। शनिवार को सबसे ज्यादा 24 लोगों ने अपना नामांकन पत्र जमा करवाया था। नगर

- प्रधान पद के लिए अभी कोई आवेदन नहीं

फतेहाबाद। जाखल नगरपालिका।

परिषद के सहायक रिटर्निंग अधिकारी नायब तहसीलदार रशविंद्र दूहन ने बताया कि चेयरमैन पद और वार्ड 8 के लिए अभी तक कोई आवेदन नहीं आया है। वार्ड वार नामांकन की स्थिति के अनुसार, वार्ड 1, 2 और 3 से दो-दो उम्मीदवारों ने, वार्ड 4 से तीन, वार्ड 5 से एक, वार्ड 6 से दो, वार्ड 7 से चार, वार्ड 9 से दो, वार्ड 10 से एक, वार्ड 11 से दो, वार्ड 12 से एक, वार्ड 13 से चार और वार्ड 14 से दो उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि सोमवार है। सभी नामांकन पत्रों की जांच 18 फरवरी को होगी। उम्मीदवार 19 फरवरी तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। इसी दिन दोपहर बाद चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे।

कृषिमंत्री ने फतेहाबाद के दो किसानों को किया सम्मानित

रतिया। हिसार में चल रहे कृषि दर्शन एक्सपो किसान मेला में मुख्य अतिथि कृषि मंत्री श्याम लाल राणा ने प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। इनमें फतेहाबाद जिले के दो किसानों को सम्मानित को भी कृषिमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया, जिनमें किसान सुरजभान सिहाग निवासी हसंगा व सतगुरु सिंह निवासी पालसर शामिल हैं। कृषि मंत्री श्याम लाल राणा ने किसान सुरजभान सिहाग हसंगा को पराली प्रबंधन व प्राकृतिक खेती से संबंधित कार्यों के लिए सम्मानित किया। इस मौके पर उनके साथ ट्रेक्टर ट्रेनिंग प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक डॉ. मुकेश कुमार जैन, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर बलदेव सिंह कंबोज, डॉ. जगमिंदर सिंह नैन, ज्वाइंट सेक्रेटरी एग्रीकल्चर हरियाणा, डॉ. पवन कुमार कृषि अभियंता फतेहाबाद, डॉ. निरज कुमार, डॉ. दीपक कुमार और कृषि दर्शन एक्सपो के मैनेजिंग डायरेक्टर तलविंदर सिंह आदि रहे।

चुनाव — चुनाव में कुल 966 में से 843 लोगों ने किया मतदान, संदीप सोनी को 385 मत मिले

स्वर्णकार सभा चुनाव : कृष्ण मौसून 63 वोटों से जीतकर बने प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

स्वर्णकार सभा के चुनाव मे कृष्ण मौसून ने अपने प्रतिद्वंदी संदीप soni को को 63 मतों से पराजित किया। स्वर्णकार सेवा सदन में रविवार को सम्पन्न हुए चुनाव में कुल 966 में से 843 मतदाताओं अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसमें से कृष्ण मौसून को 448 तथा संदीप सोनी को 385 मत मिले। रविवार सुबह धर्मशाला रोड पर स्थित स्वर्णकार सेवा सदन में सुबह 9 बजे

फतेहाबाद। स्वर्णकार सभा के लिए वोट डालते समाज के लोग व मतदान के लिए लाइनों में लगे लोग व मतदान केन्द्र पर मौजूद दोनों उम्मीदवार।

मतदान शुरू हुआ। निर्वाचन अधिकारी के रूप में पूर्व प्रधान दीनानाथ व प्रशासन की तरफ से चार पटवारियों की देखरेख में चुनाव सम्पन्न हुए। सुबह ही मतदान केन्द्र के बाहर वोटिंग को लेकर स्वर्णकार समाज के लोगों की कतारें लगनी शुरू हो गई थी लेकिन मतदान की प्रक्रिया काफी धीमी थी। दोपहर 12 बजे तक केवल 225 वोट ही पोल हुए। धर्मशाला रोड पर सुबह दोनों उम्मीदवारों ने अपनी-अपनी स्टालें लगाई हुई थी, जहां दोनों उम्मीदवारों के समर्थकों की खासी चहल पहल देखी गई। दोनों ही उम्मीदवारों ने अपने पक्ष में वोटिंग करवाने को लेकर ऐड़ी चोटी का जोर लगा रखा था। वोटरों को लुभाने के लिए लंगर की भी व्यवस्था की गई थी। शाम को 5 बजे तक 843 लोगों ने अपने वोट डाले। मतदान के बाद स्वर्णकार सेवा सदन में ही मतगणना का काम शुरू हुआ। इसमें कृष्ण मौसून को 448 तथा संदीप सोनी को 385 वोट मिले। निर्वाचन अधिकारी ने कृष्ण मौसून को 63 मतों से विजेता घोषित किए। जीत के बाद कृष्ण मौसून के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई और उन्होंनें विजयी जुलूस निकालकर जीत का जमकर जश्न मनाया। बता दें कि स्वर्णकार सभा के चुनाव वर्ष 2007 के बाद अब हुए हैं।

तब तक लड़ना मत छोड़ो जब तक अपनी तय की हुई जगह पर ना पहुँच जाओ- यही, अद्वितीय हो तुम। ज़िन्दिगी में एक लक्ष्य रखो, लगातार ज्ञन प्राप्त करो, कड़ी मेहनत करो, और महान जीवन को प्राप्त करने के लिए दृढ़ रहो। **- डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम**

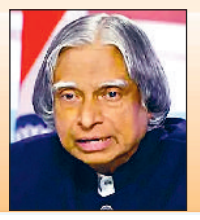

पिता ने कहा- 'हमारी कोई बेटी नहीं। पैदा तो हुई थी पर जवानी की दहलीज पर पैर रखा ही था कि मौत हो गई।' लोगों ने कहा- 'ऐसा क्यों बोल रहे हो?' आहत पिता बोले- 'अनुभव है। विगत के झूठे इतिहास को सच मानकर जीने वाले, अपनी संस्कृति से मुँह मोड़ने वाले ये लोग, अब हमारे नहीं रहे। उनसे नाता जोड़ लेना सही नहीं है।'

कहानी
सुरेश वशिष्ठ

मिताली का मौन

मिताली बहुत खुश थी। हिमाचल की हसीन वादियों में जन्मी, पली, पढ़ी और अब साइबर सिटी-गुरुग्राम में एक अच्छी एमएनसी कंपनी में नौकरी पर ज्वाइन करने जा रही थी। इसी से वह बहुत खुश दिखाई दे रही थी।

वह विचार करने लगी- 'कैसा होगा वहाँ का परिवेश? कंपनी के संगी-साथियों के साथ कैसे बीतेंगे दिन।....और कब गृहस्थ जीवन में होगा पदार्पण?' यही सवाल अंतस् में उठ रहे थे। सवाल उठते और जवाब भी स्वतः ही उभर आते। और तब... कोई सिहरन, चहक आनंद से देह को भरने लगती थी।

आज मिताली ने एमएनसी कंपनी में ज्वाइन कर लिया था। ऑफिस बहुत सुंदर था। उसे मिलाकर कुल सात लोग उस ऑफिस में काम करते थे। सभी उससे सीनियर थे। तीन लड़कियाँ और चार लड़के पहले से थे। मिताली और ललित ने एक साथ ज्वाइन किया, तो अब चार लड़कियाँ और पाँच लड़के, कुल नौ हो गए। ललित को मिताली ने देखा तो वह नजरों में बस गया। पहले से कार्यरत दो लड़कों और दो लड़कियों में बहुत अच्छी पटती थी। वे चारों दोपहर में एक साथ ही भोजन करते थे और अपने में ही मस्त रहते थे। मिताली, ललित और वैभव के बीच भी अच्छी कैमिस्ट्री जम गई थी। ये तीनों भी साथ-साथ ही भोजन करने लगे थे। दिन बीतने लगे, रातें चली जाती रही और मुलाकातें बढ़ती गई।

एक दिन, दूसरी उन दोनों लड़कियों ने अपने-अपने बॉयफ्रेंड से ब्याह रचा लिया। चारों बहुत खुश दिख रहे थे। ऑफिस में छोटी-सी एक पार्टी रखी गई और दिलफेंक हवाइयाँ भी चलीं। अगले दिन से सभी काम में व्यस्त हो गए। हर दिन उन्हें एक नया अनुभव देता रहा। दोनों लड़के और लड़कियाँ खुशहाल थे। पता चला कि शादी को लेकर एक लड़की का परिवार बहुत नाराज था। शादी में वह शामिल भी नहीं हुआ था। कारण यह कि दोनों की जातियाँ अलग-अलग थीं। लड़की ब्राह्मण थी और लड़का दलित परिवार से था।

पिता ने कहा- 'हमारी कोई बेटी नहीं। पैदा तो हुई थी पर जवानी की दहलीज पर पैर रखा ही था कि मौत हो गई।' लोगों ने कहा- 'ऐसा क्यों बोल रहे हो?' आहत पिता बोले- 'अनुभव है। विगत के झूठे इतिहास को सच मानकर जीने वाले, अपनी संस्कृति से मुँह मोड़ने वाले ये लोग, अब हमारे नहीं रहे। उनसे नाता जोड़ लेना सही नहीं है।'

कुछ दिन बीते। लड़की के व्रत रखने और पूजा-पाठ पर कलह शुरू होने लगी। जिरह होती रही और भीमराव अंबेडकर की महानता के बीच भगवान श्रीराम का चरित्र फीका पड़ने लगा। चेहरे पर से खुशी जाती रही। तनाव साफ-साफ दिखने लगा था।

फिर एक दिन, लड़की आई और कंपनी में अपना त्यागपत्र देकर चली गई। सुना यह था कि उसने दूसरे किसी शहर में किसी नई कंपनी में ज्वाइन कर लिया है। लड़का कुछ दिन मायूस रहा और फिर वह भी एक दिन जॉब छोड़कर चला गया। विवाह का पवित्र वह बंधन टूट चुका था। ललित ने अपने बैग से गुलाब का एक सुंदर फूल निकाला। घुटनों पर बैठकर वह उसे मिताली को देने लगा। मिताली ने पूछा--'यह क्या है?' उसने कहा--'तुम्हें देने का मन हुआ है।' मिताली ने उसे हाथों में पकड़ लिया। वह नहीं जानती थी कि फूल हाथ में पकड़ लेने से लड़कों की सोच बदलने लगती है। बगैर कुछ सोचे समझे उसने तो यूँ ही फूल को हाथों में थाम लिया था। नहीं मालूम था कि गुलाब हाथों में थाम लेना प्रीत की स्वीकारोक्ति है? ललित ने मिताली से कहा--'अच्छी फिल्म लगी है, देखने चलें?' मिताली ने मना कर दिया। उसे आश्चर्य हुआ और पूछने लगा--'क्यों नहीं जाना चाहती?' मिताली बोली--'जिसके साथ ब्याह होगा, उसी के संग फिल्म देखने जाऊँगी।' ललित बोला--'ब्याह मुझसे कर लो?' मिताली कहने लगी- 'घरवाले जहाँ चाहेंगे, वहीं शादी करूँगी। मुझे समाज में अपने पिता का सिर नीचा नहीं करना है।'

अगले कुछ रोज, ललित मिताली से दूर-दूर ही रहा। दोनों के बीच बातचीत भी कम होने लगी। दोपहर में भोजन तो तीनों साथ कर रहे थे लेकिन नाराजगी साफ दिख रही थी।

दूसरे युवक का नाम वैभव था। एक दिन दोपहर भोजन के समय वैभव मिताली से पूछने लगा--'तुम्हारे बीच नाराजगी दिखाई दे रही है।' ललित तो चुप रहा लेकिन मिताली बोली--'नहीं तो! हमारे बीच कोई नाराजगी नहीं।' ललित ने जल्दी से भोजन किया और उठकर चल दिया। वैभव की नजरें दोनों के चहरों को पढ़ रही थी।

उस दिन, भोजन का समय था। टिफिन खुले और तीनों खाने में लग गए। कोई खाना शेयर भी नहीं कर रहा था। कहीं भीतर में खटास थीं। सभी ने गहरी चुप्पी ओढ़ ली थी। वैभव ने मिताली और ललित को गौर से निहारा, फिर मिताली के चेहरे को पढ़ते हुए वह बोला--'मिताली, मैं नासमझ नहीं। तुम्हारे और ललित के बीच बहुत कम बातें हो रही हैं। नाराजगी साफ दिख रही है और यह नाराजगी नई नहीं है। दिनों-दिन बढ़ रही इस नाराजगी का हल निकाल लेना चाहिए। आपस की बात-चीत चलती रहे तो अच्छा लगेगा।' ललित से भी उसने पूछा--'ललित, बोलो तो किस बात पर नाराजगी है?' कुछ देर तो उसने कुछ कहा नहीं, फिर कई बार कुरेदने पर वह बताने लगा--'मैंने प्रीत का इजहार किया था, मिताली ने उसे एक्सेप्ट भी किया था लेकिन अब वह दूर जा रही है।'

'मैं कहाँ दूर जा रही हूँ।' मिताली बोली, 'तुम्हारी हर बात का तो खयाल रखती हूँ। उस रोज तुमने शादी की बात की थी, उस पर मेरा साफ निर्णय हैं--'मेरे पिता जिसके हाथ में भी मेरा हाथ देगें, वही मुझे स्वीकार होगा ! मैं स्वयं से कोई पहल नहीं करूँगी।'

थोड़ी देर चुप्पी रही। फिर वैभव बोला--'सही तो कहा मिताली ने, इसमें क्या गलत है? वह घर की मर्यादा से बाहर नहीं जाना चाहती। और यह तो अच्छी बात है। तुम्हें यह बुरा क्यों लग रहा है?' ललित कुछ नहीं बोला और टिफिन उठाकर चला गया।

मिताली आज बहुत खुश थी। सात-आठ दिन की छुट्टी के बाद वह ऑफिस लौटी थी। सभी से हैलो-हॉय के बाद उसने चमचम और मीठी रसमलाई सभी के लिए परोसी और उनकी टेबुल पर रखती चली गई।

वैभव ने पूछा--'किस खुशी में?' मिताली बोली--'पहले खा लीजिए, खुशी भी बतला ही दूँगी।' सभी ने परोसी गई मिठाइयाँ खा लेने के बाद उसे थैक्यू कहा और मिठाई खिलाने का कारण जानना चाहा। मिताली बताने लगी--'छुट्टियाँ काटकर आई हूँ। इन छुट्टियों में घरवालों ने मेरा रिश्ता पक्का कर दिया है। अगले महीने मेरी शादी है।' ललित के चेहरे से रौनक गायब हो गई। वह उठा और चुप अपनी सीट पर जा बैठा। बाकी सभी मिताली को बधाई देने लगे। मिताली की धूमधाम से शादी हुई। ऑफिस से ललित को छोड़कर बाकी सभी शादी में शामिल हुए। ललित चुप-चुप और गमगीन रहने लगा। मिताली लंबी छुट्टी पर चली गई। ललित हर किसी से बहुत कम बातें करने लगा था।

ससुराल के नये घर में मिताली का खूब आदर सत्कार हुआ। रस्में पूरी हुई तो रात सुहानी का इंतजार होने लगा। दुलहन की पोशाक में सजी, सेज पर वह पति का इंतजार कर रही थी। रात बीती जा रही थी और पति जाने कहाँ गायब था? आधी रात, ननद से मिताली को पता चला कि उसका पति तो अपने दोस्तों के साथ किसी हिल स्टेशन पर घूमने चला गया है।

ससुराल के नये घर में मिताली का खूब आदर सत्कार हुआ। रस्में पूरी हुई तो रात सुहानी का इंतजार होने लगा। दुलहन की पोशाक में सजी, सेज पर वह पति का इंतजार कर रही थी। रात बीती जा रही थी और पति जाने कहाँ गायब था?

आधी रात, ननद से मिताली को पता चला कि उसका पति तो अपने दोस्तों के साथ किसी हिल स्टेशन पर घूमने चला गया है।

वह अचम्भित रह गई। सोचने लगी--'यह कैसा पति है, जो सुहानी रात पत्नी को छोड़कर चला गया।' मन में अनेक शंकाएँ जागने लगीं और बुरे खयाल उसे घेरने लगे। शादी के बाद मिताली ससुराल से घर लौटकर आई। चेहरे पर कोई खुशी नहीं थी। माँ ने ससुराल के लोगों के स्वभाव को लेकर अनेक प्रश्न किए। वह कुछ नहीं बोली। पिता ने भी कुछ पूछना चाहा, उसने टाल दिया। माता-पिता परेशान होने लगे। बेटे के चेहरे की तरफ देखते और आहत होते। फिर एक दिन, मिताली ने पिता से कहा--'मैं अपनी जॉब पर जाना चाहती हूँ।' पिता बोले--'दामाद जी राजी होंगे क्या?' वह उठकर चली गई। पिता उसे देखते रह गए।

दिन बीते। एक रोज मिताली की माँ ने बेटी से कहा--'दामाद जी तुझे लिवाने आ रहे हैं। तुम्हारी सास का संदेशा भी आया है।' मिताली बोली--'उन्हें मना कर दो ! मैं कहीं जाने वाली नहीं। अगर जाउँगी तो अपनी जॉब पर !' माँ बोली--'सास का कहना है, हमें जॉब नहीं करानी।' मिताली ने कहा--'मुझे जॉब पर ही जाना है, ससुराल नहीं जाना।' और वह उठकर चली गई।

माता-पिता समझ नहीं पा रहे थे कि यह उसमें कैसा परिवर्तन है? उन्हें कोई रास्ता नहीं सूझ रहा था। पूछने की बहुत कोशिश हुई लेकिन मिताली ने जुबान नहीं खोली। सास को मिताली का निर्णय बताया गया, तब वहाँ से भी उसे लिवाने कोई नहीं आया।

मिताली ने पैकिंग की और जॉब पर जाने को तैयार हो गई। पिता बोले--'यह तुम्हारा गलत निर्णय है। ससुराल जाने में तुम्हें आपत्ति क्या हैं?'

'मैं वहाँ नहीं जाउँगी।' मिताली ने साफ-साफ कहा। 'कारण क्या है, कुछ तो कहो?' पिता जोर देकर पूछने लगे।

'उन्हीं से कारण भी पूछ लेना।' दृढ़ स्वर में मिताली ने पिता से कहा। पिता फिर भी कुछ नहीं समझ पाए और मिताली को जॉब पर चले जाने दिया।

दोपहर के खाने में वैभव ने स्वीट्स परोसी। ललित पूछने लगा--'किस खुशी में?' वैभव मुस्करा दिया और बोला--'मुझे पैप्सी में अच्छा ऑफर मिला है। यहाँ नोटिस देकर मैं वहाँ चला जाऊंगा।' सबको खुशी हुई। मिताली थोड़ा असहज हो गई। ललित पहले की तरह बातें करने लगा था, लेकिन मिताली सहज नहीं हो पा रही थी। अगले दिन, वैभव ने मिताली से पूछा--'जॉब पर रहते हुए ससुराल से आना-जाना कैसे रहेगा?' उसने जवाब नहीं दिया।

वैभव ने फिर उसे टोका--'हसबैंड क्या यहीं आकर रहेंगे?' उसने वैभव पर नजरें डाली और घूरते हुए पूछने लगी--'किसलिए?' कहने के ढंग से तीक्ष्ण तीर-सा चुभ गया। वैभव कुछ समझ न सका।

छुट्टी का दिन था। मिताली के पिता बेटी से मिलने ऑफिस आए। साथ में मिताली की माँ भी थी। कुछ देर बाद ललित और वैभव का भी वहाँ आना हुआ। चाय के लिए सभी साथ-साथ बैठे। परिचय के बाद शादी की बातों का दौर चला। फिर सिलसिले खुलने लगे। मिताली के ससुराल नहीं जाने पर जिक्र भी चला। वैभव कारण पूछने लगा। मिताली चुप रही।

माँ ने अपना पक्ष रखा। पिता समाज की दुहाई देते रहे। ललित भी जानना चाहता था कि वह ससुराल क्यों नहीं जाना चाहती। मिताली खीज उठी। देर तक चली जिरह में मिताली आक्षेप सुनती रही, चुप रही। लेकिन सभी तो कारण जानने को इच्छुक थे।

तब, मिताली द्रवित हो उठी। खीजकर बोली--'आप सभी जानना चाहते हैं कि मैं ससुराल क्यों नहीं जाना चाहती....तो सुनो, जिस लड़के से मेरी शादी हुई है, वह समलैंगिक है। मुझ में उसे इंट्रेस्ट नहीं है।' गहरा मौन पसर गया। वातावरण स्तब्ध था और मिताली की आँहें उसे तड़पा रही थीं।

कविता
अर्चना कोचर

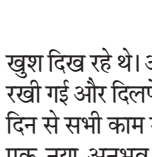

माफीनामा लिखते हस्ताक्षर

बच्चों की हर मनमानी पर, हमारे हस्ताक्षर चिपकने लग गए हैं
उनकी हर गलती पर माफ़ीनामा, हम लिखने लग गए हैं।

क्षमा बड़न को चाहिए, छोटन को उत्पात में
हम अपनी उम्र से कुछ ज्यादा, बड़े दिखने लग गए हैं।

बहुत बड़े परिवार हुआ करते थे, हमारे बड़े-बुजुर्गों के
जनसंख्या वृद्धि में हम, हमारे दो पर टिकने लग गए हैं।

खोखली नींवों को दस्तक देते, आधुनिकता के रंग में रंगें बच्चों को
हमारे दो बच्चों वाले परिवार भी, अखरने लग गए हैं।

शादी की उम्र को उच्च महत्वाकांक्षाओं में खपाने वाले बच्चे
सृष्टि सृजन में, एग फ्रीज करवाने लग गए हैं।

फल-फूल रहे हैं, विदेशी उड़ान के सपने
लड़का-लड़की दोनों कमाने लग गए हैं।

वृद्धा आश्रम में भी, मां-बाप ने पलकों पर बैठाए हैं बच्चे
बच्चों को नौकर-चाकर, अभिभावक लगने लग गए हैं।

शादी की पवित्रता के, वैचारिक मत-मनभेद में, अधेड़ उम्र के बच्चों को
ब्याहने की बेबसी में, हम भी आंखें मूंदने लग गए हैं ।

लिव इन रिलेशनशिप की रीत-प्रीत में, बंध रहे हैं बच्चे
हम भी बिन फेरे-हम तेरे वाले बंधन पर, आशीर्वाद बरसाने लग गए हैं ।

कान तरस जाते हैं, बच्चों की किलकारियां सुनने में
घरों में भौं-भौं टामी, पलने लग गए हैं।

उम्र बीत रही है हमारी भी, बच्चों को सृष्टि सृजन समझने-समझाने में
वो पुरातनपंथी का टैग, हम पर लगाने लग गए हैं।

मोह-ममता की विवशता में, उनकी हर मनमानी पे
हम भी माफीनामा लिखे अपने हस्ताक्षर, चिपकाने लग गए हैं।

कविता
राकेश कुमार सपड़ा

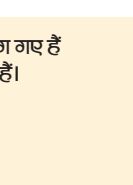

अपना सा लगता है

ये समुद्र जो लहरों की
मौज पर अपनी मचलता है
ये तन्हा है फिर भी
जाने क्यों सबको
अपना सा लगता है।

ये आसमान नीला
प्रतिबिंब इसका
इसमे झलकता है
ये सूरज गर्मी से
जिसकी जाने
क्या क्या पिघलता है
विचरता है दिन भर
आराम इसको भी
शाम ढलते इसकी
ही आगोश में ही
आ के मिलता है।

झाँके कोई इसमे
गहरा कितना ही
थाह इसका नहीं
किसी को मिलता है
ये चांद पूर्णिमा को
इसी के जल को
तरसता है।

बैठा हूँ किनारे पर इसके
लहरें इसकी छू के
लौट जाती हैं

काश रुक जाती तो
पूछ लेता इनसे
क्यों नहीं रुक के
दो पल
हाल सफर का सुनाती है ?

ये नाता लहरों का सागर से
कितना गहरा होता है
होता शुरू इसी से
खत्म इसी में होता है।

हास्य व्यंग्य, काव्य और लघु कथाओं से समाज को सकारात्मक संदेश दे रहे वरिष्ठ साहित्यकार प्रोफेसर शामलाल कौशल का कहना है कि साहित्य में आई गिरावट का कारण शॉर्टकट के रास्ते लोकप्रियता हासिल करने का प्रयास है। लेखकों को भी बदलते सामाजिक परिवेश के अनुसार साहित्य संवर्धन करने की आवश्यकता है। तभी समाज और संस्कृति को जीवंत रखने की कल्पना की जा सकती है।

साक्षात्कार
ओ.पी. पाल

सामाजिक विसंगतियों को दूर करने का माध्यम साहित्य: शामलाल कौशल

साहित्य जगत में समाज को नई दिशा देने के मकसद से ही लेखक साहित्य साधना करते आ रहे हैं। मूर्धन्य विद्वानों ने साहित्य को समाज का दर्पण माना है। इसलिए लेखक और साहित्यकार अपनी विभिन्न विधाओं में सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर साहित्य साधना करके समाज को अपनी संस्कृति और सभ्यता के प्रति सकारात्मक संदेश देते आ रहे हैं। हरियाणा की समृद्ध संस्कृति के संवर्धन में जुटे शिक्षाविद् एवं लेखक शामलाल कौशल भी आलेख, काव्य, हास्य व्यंग्य और लघु कथाओं जैसी विधाओं से अपने रचना संसार को बढ़ाकर साहित्य और समाज को एक-दूसरे के पूरक होने की सार्थकता को सिद्ध करने में जुटे हैं। हरिभूमि संवाददाता से बातचीत में वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. शामलाल कौशल ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कई ऐसे पहलुओं को उजागर किया, जिसमें आजकल सामाजिक विसंगतियों के कारण दूर होती सभ्यता, संस्कृति, नैतिकता और बड़ों के प्रति आदर जैसी परंपराओं को जीवंत करने में साहित्य एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का माध्यम है।

प्रकाशित पुस्तकें

प्रो. शामलाल कौशल की प्रकाशित 15 पुस्तकों में लेख संग्रह-जीना एक कला है तथा खुश कैसे रहें, काव्य संग्रह-यही तो जिंदगी है, हास्य व्यंग्य संग्रह-यह दुनिया पागलखाना, कुंवारों का संडे बाजार व आज्ञाकारी पति होने के फायदे, लघुकथा संग्रह-अगर मां होती, हास्य व्यंग्य-ऐ बेशर्मी? तेरी सदा ही जय हो, लघु कविता संग्रह- जिनकी नहीं होती मां, अभी तो मैं जवान हूं और मेरे हीरो मेरे मां बाप, कहानी संग्रह-पिंजरे के पंछी सुर्खियों में हैं। वहीं लेख संग्रह- तनाव ही तनाव भी उनकी कृतियों में शामिल है।

शामलाल कौशल

पुरस्कार व सम्मान

प्रो. शामलाल कौशल को साहित्य साधना के लिए अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। हरियाणा साहित्य अकादमी ने उन्हें हास्य व्यंग्य संग्रह 'आज्ञाकारी पति होने के फायदे' के लिए सर्वश्रेष्ठ कृति सम्मान से अलंकृत किया। वहीं लाल बहादुर शास्त्री 'साहित्य रत्न' पुरस्कार, निर्मला स्मृति आजीवन हिंदी साहित्य साधना सम्मान के अलावा कई राज्यों की साहित्यिक संस्थाओं द्वारा अनेक बार सम्मान देकर पुरस्कृत किया जा चुका है।

प्रारंभिक दिन बहुत कठिन और संघर्ष के बीच बीते। इसी बीच साल 1953 में पिता के निधन के कारण पढ़ाई करना मुश्किल था, लेकिन फिर भी उन्होंने किसी तरह संगरूर के राज हाई स्कूल से मैट्रिक पास की। गवर्नमेंट रणबीर कॉलेज से बीए पास किया, जहां उन्हें अर्थशास्त्र पढ़ाने वाले शिक्षक तथा समाजसेवी प्रोफेसर मुंशी राम वर्मा ने उनके लिए एक अभिभावक की भूमिका निभाई और हरसंभव सहायता की। बाद में उन्होंने पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला से एमए (अर्थशास्त्र) उत्तीर्ण की। 1966 में हरियाणा के गोहाना में हरियाणा वार हीरोज मेमोरियल कॉलेज में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर के तौर पर उनकी नौकरी लगी। 1981 में यही कॉलेज सरकारी बन गया और यहां करीब 36 साल अध्यापन करने के बाद 2001 में वह सेवानिवृत्ति हुए। बकौल शामलाल कौशल, हमारे परिवार में किसी की भी साहित्य में रुचि नहीं रही है। परिवार में शायद वह अकेले सदस्य थे, जिन्हें बचपन से ही अखबार पढ़ने की रुचि रही है। अपने कॉलेज की पत्रिका में भी उनके लेख भी नियमित तौर पर लेख प्रकाशित होते रहते थे। प्रो. शामलाल ने बताया कि सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने लेखन कार्य शुरू किया, जिसके लिए उन्हें डॉ. श्याम सखा, डॉ. मधुकांत जैसे कई ऐसे मूर्धन्य विद्वान और साहित्यकारों की प्रेरणा और मार्गदर्शन में कई विधाओं में अपने रचना संसार को लगातार दिशा दी। इसमें उन्होंने सबसे पहले एक हास्य व्यंग्य लिखा, जिसके बाद लघु कथाएं लिखनी शुरू की। खास बात ये भी है कि सेवानिवृत्ति के बाद साहित्य लेखन से ही उनका समय बहुत आसानी से गुजर रहा है और वरिष्ठ साहित्यकारों से मुलाकात और कार्यक्रमों में हिस्सेदारी से उनके ज्ञान में वृद्धि तथा सम्मान मिल रहा है। वे कहते हैं कि साहित्य समाज का दर्पण है। साहित्य का प्रभाव समाज पर पड़ता है और समाज भी साहित्य को प्रभावित करता है। लेकिन आज के समय में अच्छे साहित्य का अभाव इसलिए पनपा है क्योंकि हमारा समाज भी आजकल सभ्यता, संस्कृति, नैतिकता और बड़ों के प्रति आदर व ईमानदारी से दूर होता जा रहा है। हालांकि जिन्हें साहित्य का जुनून है वह अभी साहित्य साधना में जुटे हैं, लेकिन भौतिकतावाद के इस युग में साहित्य के प्रति पाठकों की रुचि पहले के मुकाबले में बहुत कम हो रही है। युवा पीढ़ी में साहित्य के प्रति रूझान न होने का कारण वह अपने करियर को लेकर इंटरनेट का ज्यादा सहारा ले रहे हैं। समाज के ताने बाने को संस्कृति के अनुरुप संजोने के लिए युवा पीढ़ी को साहित्य के लिए प्रेरित करने की बहुत जरूरत है। इसके लिए शिक्षण संस्थानों में साहित्य से संबंधित सामग्री पाठ्यक्रमों में शामिल करके शिक्षक साहित्य की विभिन्न विधाओं के बारे में छात्रों को संस्कारी बना सकते है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : प्रो. शामलाल कौशल
जन्मतिथि : 9 दिसंबर 1943
जन्म स्थान : डेरा गाजी खान (पाकिस्तान)
शिक्षा : एमए (अर्थशास्त्र, अंग्रेजी,राजनीति शास्त्र)
संप्रति : लेखक, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, राजकीय महाविद्यालय, गोहाना।

जानकारी से परिपूर्ण है एलआईसी ऑफ इंडिया इन ग्लोबल एज

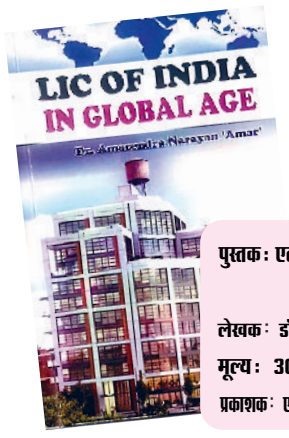

पुस्तक : एलआईसी ऑफ इंडिया इन ग्लोबल एज
लेखक : डॉ. अमरेन्द्र नारायण 'अमर'
मूल्य : 300 रुपये (पेपरबैक)
प्रकाशक : एकेडमिक एक्सीलेंस, नई दिल्ली

पुस्तक समीक्षा
प्रो. एच.के. सिंह

पुस्तक एलआईसी ऑफ इंडिया इन ग्लोबल एज यानि भूमंडलीय युग में भारतीय जीवन बीमा निगम भारतीय जीवन बीमा के स्वरूप का भीतरी एवं बाह्य अध्ययन प्रस्तुत करता है और भारतीय परिप्रेक्ष्य में इसके उद्देश्यों को भी। पिछले कुछ वर्षों में भारत में बीमा के प्रति लोगों में जागरुकता बढ़ी है। चाहे जीवन बीमा हो या साधारण बीमा, व्यक्ति को आर्थिक एवं मानसिक सुरक्षा प्रदान करता है। देश में बीमा के बारे में जानकारी देने वाले पुस्तक काफी कम हैं। डॉ. अमरेन्द्र नारायण 'अमर' द्वारा लिखित यह पुस्तक बीमा के विषय में उल्लेखनीय जानकारी के साथ -साथ उसकी विपणन रणनीति, विभाजन, लक्ष्यीकरण और स्थिति निर्धारण प्रस्तुत करती है एवं संबंधित नियमों आदि के बारे में सूचनाएं देकर पुस्तक को आम जनता के लिए उपयोगी बनाती है। यह पुस्तक अपनी गुणवत्ता और सरलता से बीमा के विषय में उल्लेखनीय जानकारी के कारण विपणन व्यूहरचना और विद्वतापूर्ण वाद-विवाद के अन्दर स्वयं को आधारित करता ही है, साथ ही अपनी दूरदृष्टि से यह पुस्तक भूमंडलीय परिवर्तन के समय विपणन के विभिन्न प्रकारों और भारतीय जीवन बीमा के व्यूहरचनात्मक विपणन पर भी विद्वतापूर्ण चर्चा करते हुए भारतीय जीवन बीमा निगम के परिचालन प्रदर्शन के साथ-साथ संघटनात्मक संरचना और विपणन नीतियों, योजनाओं और रणनीतियों को बहुत अच्छे तरीके से बताता है। सबसे महत्वपूर्ण विशेषता इस किताब की यह है कि एक ही जगह कोई शोधार्थी या व्यक्ति भारतीय जीवन बीमा निगम के स्वरूप एवं प्रकार को तो जान ही सकता है तथा उसकी कार्यप्रणाली ओर उसकी व्यूह योजनाओं को समझने के लिए विपणन को विभिन्न व्यूहयोजनाओं एवं उसके सिद्धान्तों के भी दिग्दर्शन कर सकता है। बीमा, खोज तथा शिक्षा के क्षेत्र में यह लेखक का सराहनीय कार्य और लेखक इसके लिए धन्यवाद के पात्र हैं। यह बीमा क्षेत्र की बेहतरीन पुस्तकों में से एक है। जो व्यक्ति बीमा सलाहकार के रूप में अपना करियर चुन रहा है, वह बीमा उद्योग में अच्छा भविष्य बना सकता है। यह पुस्तक छात्रों, शोधकर्ताओं और कंपनियों के लिए एक मूल्यवान परिसंपत्ति और मार्गदर्शिका है

खबर संक्षेप

पुलिस ने वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

डबवाली। विभिन्न मामलों में वांछितों व भगौड़ों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रविवार को एएनसी स्टाफ डबवाली की टीम ने दुष्कर्म व पॉक्सो अधिनियम तथा जान से मारने की धमकी देने के मामले में आरोपी कृष्ण सिंह निवासी ढाणी शेखपुरा बठिंडा पंजाब को गिरफ्तार किया है। एएनसी स्टाफ प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि बीती 19 जनवरी 2019 को गांव डबवाली निवासी महिला ने शिकायत दी थी कि उसकी आरोपी द्वारा उसकी पुत्री के साथ दुष्कर्म करने व जान से मारने की धमकी दी है। इस पर पुलिस ने केस दर्जकर जांच आरंभ की थी और वह पिछले छह साल से फरार चल रहा था। पुलिस ने अब इस मामले में आरोपी को पकड़ लिया है।

नीलगाय को मारने के आदेश पर रोक का बिश्नोई समाज ने किया स्वागत

फतेहाबाद। हरियाणा में नर नीलगाय को मारने की अनुमति देने के सरकारी फैसले पर बिश्नोई समाज के कड़े विरोध के बाद सरकार ने अपने निर्णय पर रोक लगा दी है। टोहाना में महंत स्वामी डा. सच्चिदानंद महाराज ने इस फैसले का स्वागत करते हुए समाज की ओर से सरकार का आभार व्यक्त किया। बिश्नोई सभा के प्रधान बलदेव सिंह ने बताया कि जब सरकार ने वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1974 को निरस्त किया, तब केवल बिश्नोई समाज ने इस फैसले का विरोध किया। उन्होंने कहा कि जीवों को भी जीने का अधिकार है।

महाशिवरात्रि पर आचार्य धर्मचंद्र देव का जयंती समारोह मनाया जाएगा

ओढ़ा। महर्षि सद्गुरू सदाफल देव विहंगम योग आश्रम नजदीक इंजीनियरिंग कॉलेज रोहिडांवाली में आने वाली 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर विहंगम योग के सद्गुरू आचार्य धर्मचंद्र देव महाराज की 106वीं जन्म जयंती समारोह बनाया जाएगा।

श्री श्याम बगीची धाम के स्थापना महोत्सव में पहुंचे बाबा ब्रह्मदास महाराज

तू खाटू बुलाता रहे मैं आता रहूं... भजन पर झूमे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज. सिरसा

अनाज मंडी स्थित श्री श्याम बगीची धाम में श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की ओर से मंदिर के तीसरे 12 दिवसीय स्थापना महोत्सव के 9वें दिन शनिवार को भजन संध्या का आयोजन किया गया। डेरा बाबा भूमण शाह के गद्दीनशीं बाबा ब्रह्मदास महाराज, उड़ीसा के पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल, मनीष सिंगला श्याम बगीची पहुंचे। हनुमानगढ़ से आई श्याम लाडली नेहा शर्मा ने भजन- हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की, तेरी जय जयकार बाबा तेरी जय जयकार सहित अनेक भजन प्रस्तुत किए। बाद में असंध से आए भजन गायक विशाल जुनेजा ने भजन- कीर्तन की है रात, मतलब की दुनिया मुझे तेरी जरुरत है, लहर लहर लहराये रे झंडा बजरंग बली का, मेरा आपकी कृपा स सब काम हो रहा है, यशोदा का नंदलाल जग से निराला सहित अनेक भजनों की प्रस्तुति दी। इसके बाद दिल्ली से आए भजन गायक कृष्णा अग्निहोत्री ने भजन- जाने कब मुझे अपना बनाएगा, आयो सांवरियों सरकार नीलै प चढ़ के, श्याम बाबा तेरे पास आया हूं चरणों में तेरी दरखास लाया हूं, श्याम बाबा का दर मिल गया मुझ बेघर को घर मिल गया, तू खाटू बुलाता रहे मैं खाटू आता रहूं सहित अनेक भजनों की प्रस्तुति दी।

सिरसा। श्याम बगीची में आयोजित भजन संध्या में भजन गाते गायक।

युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए:

डेरा बाबा भूमण शाह के गद्दीनशीं बाबा ब्रह्मदास महाराज श्याम बगीची पहुंचे। श्याम बगीची के सेवादारों ने उनका भव्य स्वागत किया। बाबा ब्रह्मदास महाराज ने बाबा श्याम के चरणों में शीश नवाया। उन्होंने कहा कि श्याम बगीची में आकर बहुत अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों को मंदिर में आना और लंगर का प्रसाद ग्रहण करना अपने आप में बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि सभी को अपने माता-पिता का आदर करना चाहिए, उनका कहना मानना चाहिए। वहीं युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए।

सिरसा। मुख्यअतिथि को सम्मानित करते हुए आयोजक।

खेलों में है करियर की अपार संभावनाएं: डॉ. बैनीवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

जिला के गांव जोगीवाला में रविवार को क्रिकेट महाकुंभ-2025 की रंगारंग तरीके से शुरुआत हुई। टूर्नामेंट का उद्घाटन डॉ. विपिन बैनीवाल द्वारा किया गया। मुख्यातिथि डॉ. विपिन बैनीवाल ने कहा कि वर्तमान समय में युवा वर्ग अपने लक्ष्य से भटककर नशे की ओर अग्रसर हो रहा है। युवाओं का ध्यान नशे से हटाने के लिए उन्हें खेल के प्रति जागरूक करना अति आवश्यक है। डॉ. बेनीवाल ने कहा कि खेल न केवल हमें शारीरिक रूप से मजबूत बनाते हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी परिपक्व बनाते हैं। उन्होंने कहा कि खेलों में हार-जीत कोई मायने नहीं रखती। मायने रखता है तो खिलाड़ी का खेल के प्रति जज्बा। असली खिलाड़ी वही है, जो खेल को खेल की भावना से खेलता है। उन्होंने कहा कि खेलों में भी करियर की अपार संभावनाएं हैं। डॉ. बैनीवाल ने प्रतियोगिता के आयोजकों व ग्रामीणों का भी इस प्रकार के खेल आयोजन करवाने के लिए धन्यवाद किया और ऐसे आयोजन लगातार करवाते रहने का आह्वान किया।,

लड़ाई-झगड़ों से दूर रहना चाहिए : दिनेश

- जैन स्थानक में बच्चों के लिए शिविर का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

गुरु सुदर्शन संघ के मुनिराज संघ नायक शास्त्री पदम चंद महाराज के सुशिष्य एवं संघ संचालक नरेश चंद महाराज के आज्ञानुवर्ती पं. दिनेश मुनि महाराज व विनीत मुनि महाराज ठाणे-2 के सानिध्य में पीएलए स्थित जैन स्थानक में बच्चों के लिए आयोजित प्रशिक्षण शिविर का रविवार को समापन किया गया। कल व आज बच्चों के उत्थान के लिए अनेक तरह की प्रतियोगिताएं करवाई गई। विभिन्न प्रतियोगिताओं में अव्वल रहने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। शिविर के समापन से पूर्व जैन स्थानक में धर्म सभा की गई जिसकी शुरुआत दिनेश मुनि महाराज ने उंगली पकड़कर चलना सिखाते हैं.. चलना सिखाते हैं, रास्ता दिखाते हैं.... भजन गाकर की। प्रवचन देते हुए दिनेश मुनि महाराज ने कहा कि जिंदगी में कभी लड़ना या झगड़ना नहीं। उन्होंने कहा कि जैसे मौसम का पारा हाई होता है तो हमसे बर्दाश्त नहीं होता, ठीक इसी तरह जब अंतरात्मा का पारा हाई होता है तो हम कैसे बर्दाश्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि लड़ाई झगड़े का व छींटाकशी का घर परिवार व समाज पर भी असर पड़ता है। उन्होंने सीख देते हुए कहा कि बच्चों के सामने झगड़ा नहीं करना चाहिए। इससे बच्चों पर प्रभाव पड़ता है क्योंकि बच्चों में घर परिवार से ही सबसे पहले संस्कार आते हैं। जैसा वह देखता है और सुनता है, इसके बाद वही करने की उसे प्रेरणा मिलती है। लड़ाई झगड़े को निपटाने का प्रयास करना चाहिए। संतों का काम है आपस में जोड़ना, तोड़ना नहीं। उन्होंने एक शेर के माध्यम से संदेश दिया कि दुश्मनी का सफर कदम दो कदम का है.. तुम भी थक जाओगे हम भी थक जाएंगे। अर्थात लड़ाई झगड़े में कोई आनी जानी नहीं है। दिनेश मुनि महाराज ने कहा कि लड़ाई झगड़े की वजह कोई मुद्दा नहीं होकर केवल दो व्यक्तियों का अहंकार आपस में टकराता है और लड़ाई झगड़े से कभी कुछ भी नहीं निकलता। हमेशा नुकसान ही नुकसान होता है।

हिसार। जैन स्थानक में धर्म सभा में उपस्थित श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

शिव के विज्ञान भैरव तंत्र पर आधारित ध्यान

- ओशो ध्यान उपवन में साधकों ने शिव के विज्ञान भैरव तंत्र को समझा, सीखी ध्यान की विधियां
- विज्ञान भैरव तंत्र को समझकर ध्यान करते हुए आनंदमय जीवन व्यतीत करना संभव : स्वामी संजय

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

ओशो ध्यान उपवन में भगवान शिव के विज्ञान भैरव तंत्र पर आधारित ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। तीन घंटे तक दो सत्र में ध्यान के विविध आयामों पर चर्चा की गई। इस दौरान सतगुरु ओशो द्वारा शिव के विज्ञान भैरव तंत्र पर दिए गए प्रवचनों को भी सुनने का अवसर मिला। इस ध्यान सत्र में विभिन्न क्षेत्रों से काफी संख्या में साधकों ने हिस्सा लिया। ध्यान सत्र के आयोजक स्वामी संजय ने बताया कि साधकों को विज्ञान भैरव तंत्र के महत्व से भी रूबरू करवाया गया। उन्होंने कहा कि विज्ञान भैरव तंत्र को समझकर ध्यान करते हुए आनंदमय जीवन व्यतीत करना संभव है। उन्होंने बताया कि ध्यान सत्र के उपरांत साधकों को आगामी दो दिवसीय शिविर की जानकारी भी प्रदान की गई। 22 व 23 फरवरी को ओशो ध्यान उपवन में दो दिवसीय महाशिवरात्रि ध्यानोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया जाएगा। इस शिविर में विभिन्न क्षेत्रों से काफी संख्या में साधक हिस्सा लेंगे। शिविर के दौरान भगवान शिव की आराधना करते हुए ध्यान की सरल विधियों से रूबरू करवाया जाएगा। स्वामी संजय ने बताया कि सतगुरु ओशो ने विज्ञान भैरव तंत्र को बड़े ही सरल ढंग से समझाया है। उन्होंने अपने प्रवचनों में कहा है कि विज्ञान भैरव तंत्र की दुनिया बौद्धिक नहीं है, यह दार्शनिक नहीं है। सिद्धांत इसके लिए अर्थहीन हैं। यह विधि, तकनीक से संबंधित है, सिद्धांतों से बिल्कुल भी संबंधित नहीं है। तंत्र शब्द का अर्थ है तकनीक, विधि, मार्ग।

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में आयोजित ध्यान सत्र में हिस्सा लेते साधक।

ओशो ने की विज्ञान भैरव तंत्र की व्याख्या

हिसार। ओशो ने कहा है कि तंत्र का अर्थ है विधि। अतः यह ग्रंथ वैज्ञानिक है। विज्ञान क्यों से संबंधित नहीं है, विज्ञान कैसे से संबंधित है। दर्शन और विज्ञान के बीच यही मूल अंतर है। दर्शन पूछता है यह अस्तित्व क्यों? विज्ञान पूछता है यह अस्तित्व कैसे? जिस क्षण आप प्रश्न पूछते हैं, कैसे? विधि महत्वपूर्ण हो जाती है। सिद्धांत अर्थहीन हो जाते हैं, अनुभव केंद्र बन जाता है। तंत्र विज्ञान है, तंत्र दर्शन नहीं है। दर्शन को समझना आसान है क्योंकि केवल आपकी बुद्धि की आवश्यकता है। आपको बदलने की आवश्यकता नहीं है, आपको किसी रूपांतरण की आवश्यकता नहीं है। जैसे आप हैं, आप दर्शन को समझ सकते हैं लेकिन तंत्र को नहीं। जब तक आप भिन्न नहीं होते, तंत्र को नहीं समझा जा सकता क्योंकि तंत्र एक बौद्धिक प्रस्ताव नहीं है, यह एक अनुभव है।

हांसी बस स्टैंड के सुधरेंगे हालात, टूटे फर्श का जल्द होगा निर्माण

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

सामान्य बस स्टेंड के जल्द ही दिन बहुरने वाले हैं। बस स्टेंड के अंदर दोनों गेट पर टूटे हुए रोड़ को मरम्मत करके ठीक किया जाएगा। इसके लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने निरीक्षण करके एस्टीमेट तैयार कर लिया है। मंजूरी मिलने के बाद काम शुरू किया जाएगा।

बस स्टेंड पर दिल्ली व हिसार की तरफ बने एंट्री गेट के पास रोड टूटा हुआ है और यहां पर गड्ढा बन गया है। इसके अलावा कार्यशाला के अंदर भी रोड टूटा हुआ है, जिसके कारण बसों के बस स्टेंड के अंदर आने व बाहर जाने में समस्या होती है। एंट्री गेट पर रोड के टूटे होने के कारण कई बार बसों के पलटने का डर बना रहता है। बस स्टेंड के सुधार के लिए आई 33 लाख रुपये की राशि सात वर्षों से रोडवेज विभाग के पास लंबित है। अधिकारियों ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को बस स्टेंड परिसर के टूटे हिस्से की मरम्मत करवाने के लिए कहा था। बीते दिनों लोक निर्माण विभाग की जेई मोनिका ने बस स्टेंड का निरीक्षण कर मरम्मत का एस्टीमेट तैयार कर लिया है। इसे रोडवेज विभाग के पास मंजूरी के लिए भेजा गया है। वहां से मंजूरी मिलने के बाद इस पर काम शुरू होगा।

- एंट्री व आउट दोनों गेटों के सामने टूटा हुआ है फर्श
- सात साल पहले मरम्मत के लिए स्वीकृत 73 लाख में से खर्च हुए थे 40 लाख
- पेंडिंग 33 लाख की राशि से अब होगी खर्च

हांसी। बस स्टेंड के अंदर टूटा पड़ा फर्श।

150 बसों का हो रहा संचालन

हांसी बस स्टेंड से रोडवेज की 73 और निजी परिवहन की 150 बसें चलती हैं। बस स्टेंड पर प्रतिदिन 700 के करीब विभिन्न रुटों पर आने जाने वाली बसों का ठहराव होता हैं। हांसी से प्रतिदिन 15 से 20 हजार यात्री बसों में सफर करते हैं।

अधिकारियों ने किया निरीक्षण : मोर

हांसी बस अड्डा इंचार्ज रमेश मोर का कहना है कि बस स्टेंड प्रांगण को मरम्मत की आवश्यकता है और बस स्टेंड के दोनों गेट पर फर्श काफी टूटा हुआ है। इसके कारण हादसे का डर बना रहता है। बस स्टेंड परिसर मरम्मत कार्यों के लिए आई राशि के जरिए काम करवाने के लिए आला अधिकारियों को लिखा गया था जिसके बाद लोक निर्माण विभाग के अधिकारी यहां आकर निरीक्षण कर चुके हैं।

सात वर्ष पहले आए थे 73 लाख रुपये

बस स्टेंड की मरम्मत के लिए करीब सात वर्ष पहले 73 लाख रुपये की राशि आई थी। मरम्मत का काम लोक निर्माण विभाग की तरफ से करवाया गया था। इसमें से करीब 40 लाख रुपये की राशि वर्ष 2021 में खर्च हुई थी। जिसके बाद करीब 33 लाख रुपये की राशि लंबित है। तब यहां पर बस स्टेंड के सुधार के लिए कई तरह के काम करवाए गए थे। बस स्टेंड की मूल समस्या पानी निकासी की है। इसका समाधान आज तक नहीं हुआ। बस स्टेंड का लेवल रोड काफी नीचे है। ऐसे में यहां पर बारिश के पानी की निकासी नहीं हो पाती है और कई दिन तक बस स्टेंड के अंदर बरसाती पानी खड़ा रहता है जिसके चलते बस स्टेंड पर आने वाले यात्रियों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। दो महीने पहले निजी बस संचालक बस स्टेंड पर मरम्मत कार्यों के लिए विधायक से भी मिले थे।

1982 में हुआ था उद्घाटन

हांसी बस स्टेंड का उद्घाटन तत्कालीन मुख्यमंत्री भजनलाल ने 22 जनवरी 1982 को किया गया था। बस स्टेंड का भवन 42 वर्ष पुराना है।

भाजपा कार्यकर्ता रखते त्याग एवं समर्पण का भाव : कृष्ण पारीक

हिसार। भाजपा नेता कृष्ण पारीक ने कहा है कि पार्टी ने हमेशा अपने कार्यकर्ताओं को त्याग व समर्पण की सीख दी है। जिससे आज देश और प्रदेश में भाजपा की सरकार जनहित के कार्य कर रही है। पार्टी नेता व कार्यकर्ता समर्पण भाव से जन सेवा में लगे हुए हैं। नगर निगम चुनाव का माहौल चल रहा है। उन्होंने ने कहा कि नगर निगम हिसार के वार्ड नंबर 5 से पार्टी की तरफ से भेजे गए पैनल में उनका नाम भेजा गया था। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने भी उनके नाम की पैरवी की परंतु किसी कारणवश उनकी टिकट काट दी गई। भाजपा नेता कृष्ण पारीक ने बताया कि पार्टी ने हमेशा त्याग एवं समर्पण भाव का पाठ सिखाया है। भाजपा हरियाणा में सभी नगर निकाय चुनाव अच्छे रिकॉर्ड से जीत कर इतिहास बनाने वाली है।

सख्ती: बुलेट से निकाली पटाखों की आवाज, 15 हजार का कटा चालान

हिसार। ट्रैफिक पुलिस ने बुलेट मोटरसाइकिल से पटाखे की आवाज निकालने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत पुलिस यातायात नियमों की अवहेलना करने और पटाखे की आवाज निकालने वाली बुलेट मोटरसाइकिल पर अंकुश लगाने और सार्वजनिक और भीड़भाड़ वाले वाले मार्गों में बुलेट मोटरसाइकिल के पटाखे के कारण आमजन को होने वाली परेशानी से निजात दिलाने को बाइक चालकों पर कार्रवाई कर रही है।

रविवार को पुलिस ने बुलेट बाइक से पटाखे की आवाज निकालने पर बाइक चालक का मोटर वाहन अधिनियम के तहत 15 हजार का चालान किया है। उप निरीक्षक युद्धवीर सिंह ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस ने बुलेट मोटरसाइकिल से पटाखे की आवाज निकालने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तलाकी गेट पर एक बुलेट मोटरसाइकिल चालक द्वारा मोटरसाइकिल से पटाखे की आवाज निकालने पर 15 हजार रुपए का चालान किया है। साथ ही मोटरसाइकिल से साइलेंसर को भी हटाया गया।

उन्होंने कहा है कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पटाखे की आवाज निकालने वाली बुलेट मोटरसाइकिल चालकों व सार्वजनिक जगह पर असुरक्षित वाहन चलाकरर व दूसरों के जीवन को खतरे में डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही पुलिस मोटरसाइकिल में पटाखा बजाने वाले विशेष उपकरण लगाने का काम करने वाले मिस्त्रियो की पहचान कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई करेगी।

कार से बाइक बाइक को मारी टक्कर, फोटोग्राफर को लूटा

बरवाला। बीती देर रात्रि मंडी रोड के पास बाइक पर सवार एक फोटोग्राफर को कार ने सीधी टक्कर मार दी। इससे फोटोग्राफर बाइक के साथ गिर गया। इतने में तीन चार अज्ञात युवकों ने इस कार में से उतरकर उसके साथ मारपीट की व जेब से हजारों रुपये की नकदी, एक मोबाइल, कैमरा, बैटरी व कार्ड लूटकर फरार हो गए। वार्ड 6 निवासी फोटोग्राफर रवि कुमार ने बताया कि वो गांव खेदड़ से शादी समारोह की वीडियोग्राफी करके देर रात साढ़े 12 बजे बाइक पर बरवाला अपने घर आ रहा था। मंडी रोड पर गलत दिशा से आ रही कार ने बाइक कोटक्कर मारी जिससे वो बाइक समेत सड़क पर गिर पड़ा। इतने में तीन चार अज्ञात युवकों ने कार में से उतरकर उसके साथ मारपीट करके उसकी जेब में रखी लगभग 6 हजार रुपये की नकदी, कैमरा, दो स्टैंड, लाइट, इमरजेंसी बैटरी, बैटरी व 64 जीबी कार्ड लूट कर फरार हो गए। घायल फोटोग्राफर को उपचार के लिए सीएचसी बरवाला लाया गया जहां पर चिकित्सकों ने उसे नागरिक अस्पताल हिसार रैफर कर दिया।

- शादी समारोह से काम कर घर लौटते समय वारदात

अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

हंसकर बोले सीएम, मैं समझ गया आपकी भावना

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को ज्ञापन सौंपकर नर नील गाय को मारने वाला फैसला वापिस लिए जाने की मांग की है। टीटीसी में कृषि दर्शन एक्सपो का उद्घाटन करने पहुंचे मुख्यमंत्री को सभा ने नील गाय का स्मृति चिन्ह व अपना मांग पत्र दिया। जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं आपकी भावनाएं समझता हूं।

अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा के प्रदेश अध्यक्ष विनोद कड़वासरा व हिसार जिला प्रधान चन्द्र सिंह सहारण के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने ये ज्ञापन मुख्यमंत्री को सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में उपरोक्त दोनों पदाधिकारियों के अलावा अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा के राष्ट्रीय संयोजक धर्मसिंह खीचड़, उपाध्यक्ष विनोद खिलेरी मल्लापुर, जिला फतेहाबाद प्रधान राधेश्याम सरपंच गांव नागपुर, जिला बार एसोसिएशन हिसार के प्रधान एडवोकेट विनय बिश्नोई, जिला बाहर एसोसिएशन हिसार के पूर्व प्रधान एडवोकेट मनदीप बिश्नोई, खंड आदमपुर जीव रक्षा अध्यक्ष कृष्ण राहड़ व गांव काजला से सीताराम सहारण शामिल थे।

जिला प्रधान चन्द्र सिंह सहारण ने रविवार को बताया कि मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को ध्यान से सुना और कहा कि मामला सरकार के संज्ञान में है, हम जनभावना के अनुरूप ही कार्य करेंगे और अधिकारियों को इस संबंध में उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद सभा पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को नील गाय का फोटो लगा स्मृति चिन्ह दिया और कहा कि ये बोल नहीं सकते हम बोल सकते हैं। इस पर मुख्यमंत्री भी हंसे बिना नहीं रह सके और हंसते हुए बोले कि मैं आपकी बात अच्छे से समझ गया।

नोटिफिकेशन पर लग चुकी है रोक, जताया आभार

प्रदेश अध्यक्ष विनोद कड़वासरा ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में प्रधान मुख्य वन संरक्षक, हरियाणा सरकार से बात की है। वन संरक्षक ने जानकारी दी कि 07 नवंबर 1996 को उस समय सरकार द्वारा इस तरह का आदेश जारी किया गया था। इसके बाद अब सरकार द्वारा नया कोई आदेश जारी नहीं किया। फिर भी जन भावनाओं को मद्देनजर रखते हुए वन्य प्राणी संरक्षण नियम-2024 के नोटिफिकेशन पर रोक लगा दी गई है, इस पर पुनर्विचार किया जाएगा। अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा के पदाधिकारियों ने हरियाणा सरकार का इस मामले में तुरंत संज्ञान लेने व गंभीरता से विचार करने पर संपूर्ण समाज एवं वन्य जीव प्रेमियों की ओर से आभार जताया है। सभा पदाधिकारियों के अनुसार इस संबंध में जल्द ही मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बैठक होगी जिसमें राज्य के कुछ इलाकों में नीलगायों की अधिक संख्या होने के कारण समस्याग्रस्त किसानों को राहत देने के लिए मारने की अनुमति के अलावा अन्य मानवीय समाधानों व मुआवजा इत्यादि देने जैसे विकल्पों पर विचार होगा।

हिसार। पुलिस में शिकायत देते क्षेत्रवासी।

रामपुरा मोहल्ला में अवैध पीजी में चल रही असामाजिक गतिविधियां

हिसार। शहर के रामपुरा मोहल्ला में अवैध रूप से संचालित पीजी (पेइंग गेस्ट) और उनसे जुड़ी असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ स्थानीय निवासियों ने पुरानी सब्जी मंडी चौकी में शिकायत दर्ज करवाई है। इस शिकायत का नेतृत्व रामपुरा मोहल्ला एसोसिएशन के प्रधान आशीष गोदारा ने किया, जिसमें बड़ी संख्या में मोहल्ले के लोग शामिल हुए। रविवार को शिकायत में कहा है कि बिना किसी अनुमति और पुलिस सत्यापन के चल रहे पीजी से क्षेत्र में अपराध, असुरक्षा और सामाजिक समस्याएँ बढ़ रही हैं। इस मुद्दे को लेकर हिसार पुलिस के चौकी इंचार्ज को शिकायत सौंपी गई और अवैध पीजी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई।

खबर संक्षेप

जिंदगी संस्था ने लगाया फ्री मेडिकल कैम्प

फतेहाबाद। सामाजिक संस्था जिंदगी द्वारा एमसी कालोनी स्थित लक्ष्मी नारायण धर्मशाला में फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में मेडिसिन विभाग से डॉ. सुशील मुंजाल, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित मुंजाल, पशुपति एवं शीतलिगो विशेषज्ञ डॉ. श्रुति मुंजाल, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. वरुण मुंजाल पैथोलॉजी विभाग की डॉ. प्राची अरुण मुंजाल ने लोगों के स्वास्थ्य की जांच की। इस दौरान जिंदगी संस्था के प्रधान हरदीप सिंह ने बताया कि संस्था की ओर से समय समय पर स्वास्थ्य जांच कैंप लगाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच की जाती है।

पर्व विधायक लक्ष्मण ने सेवा कार्यक्रम में लिया हिस्सा

रतिया। लायंस क्लब रतिया सिटी के उप प्रधान हरवीर सोनी की वैवाहिक वर्षगांठ पर रविवार को लायंस क्लब के सदस्यो द्वारा सेवा के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर कल्ब के सदस्यों ने मां की रसोई में सेवा की और जरूरतमंद लोगों को खाना खिलाया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक कांग्रेस नेता लक्ष्मण नापा मुख्य तौर पर पहुंचे। पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा ने कहा कि लायंस क्लब रतिया सिटी द्वारा हमेशा ही समाज सेवा के कार्य में बढ़ चढक़र भाग लिया जाता है। यह क्लब क्षेत्र का प्रमुख समाजसेवी संगठन है। वह खुद भी इस क्लब के सदस्य होने के नाते अपने आप को गौरवान्वित महसूस करते हैं। इस अवसर पर क्लब के सदस्य गोपाल चंद्र, वीरभान बंसल, डॉ. सोमचंद गोयल, उपाध्यक्ष हरबीर जोड़ा उपाध्यक्ष, जीवन रहेजा आदि मौजूद थे।

घर से नकदी और आभूषण चोरी, केस

सिरसा। शहर के हरीविष्णु कॉलोनी में एक बंद मकान से चोर 50 हजार रुपए की नकदी सहित आभूषण व मोबाइल चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में ललित कुमार ने बताया कि उसके पिता विनोद कुमार काफी समय से बीमार चल रहे हैं। बीती 14 फरवरी को वह अपने पिता को दवा दिलवाने के लिए अस्पताल में गया था। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने पीछे से मकान में घुसकर अलमारी से 50 हजार रुपए की नकदी, दो सोने की बाली, एक सोने की चेन व लोकेट, चांदी की पाजेब, तीन मोबाइल फोन चोरी कर लिए। कुछ देर बाद वे घर आए तो घटना का पता चला। अंदर जाकर देखा तो कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। सामान संभाला तो उपरोक्त सामान गायब था। उन्होंने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया।

पुलिस ने वाहन चोरी के आरोपी को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। वाहन चोरों की धरपकड़ करते हुए थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान यादराम पुत्र औमप्रकाश निवासी भोडिय़ा बिश्नोईयान जिला हिसार के रूप में हुई है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी एसआई ओमप्रकाश ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 1 सितम्बर 2024 को गांव जांडली खुर्द निवासी कुलदीप सिंह की शिकायत पर सिरसा रोड स्थित उसके फाइनेंस कम्पनी के दफ्तर के बाहर से उसका मोटरसाइकिल चोरी होने बारे केस दर्ज किया था। अब पुलिस ने आरोपी को पकड़ा है।

ट्रक की बैट्री चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने रतिया रोड पर खड़े एक ट्रक से बैटरी चुराने के मामले में कार्यवाही करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए युवक की पहचान सुरेश कुमार पुत्र मिटठू राम निवासी अयाल्की के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से एक बैटरी बरामद की है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी एसआई औमप्रकाश ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 14 फरवरी को अजय सिंह निवासी कीर्ति नगर, रतिया रोड फतेहाबाद की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार उसने अपने ट्रक को मांजू धर्मकांटे के सामने खाली प्लाट में खड़ा किया था। वहां से अज्ञात चोर ट्रक की बैटरी और जैक चोरी कर ले गया। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया और जांच अधिकारी एचसी संदीप कुमार ने आरोपी बारे अहम सुराग जुटाते हुए उसे रतिया चुंगी के पास से गिरफ्तार कर चोरीशुदा बैटरी बरामद कर ली है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8814999173, 9253681005

बिजली कर्मचारियों ने मौके पर पुलिस बुलाई, कई घंटे रही बिजली प्रभावित

प्लाट के आगे ट्रांसफार्मर लगाने को लेकर मालिक और बिजली कर्मियों में विवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

रतिया। रतिया गली में पड़ा हुआ ट्रांसफार्मर व बिजली कर्मचारी से बातचीत करते हुए प्लाट मलिक। फोटो :हरिभूमि

शहर की टिब्बा कॉलोनी की मुख्य गली में आज एक निजी प्लाट के आगे ट्रांसफार्मर को लेकर प्लाट मालिक और बिजली कर्मियों में विवाद हो गया। इसके कारण कई घंटे कॉलोनी में लाइट बंद रही। ट्रांसफार्मर लगाने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि बिजली कर्मचारियों को पुलिस तक बुलानी पड़ी। बाद में कॉलोनी वासियों ने बीच बचाव कर मामले को शांत करवाया और और बिजली कर्मचारियों ने बिजली बहाल की।

मिली जानकारी के अनुसार टिब्बा कॉलोनी की मुख्य गली में राजकुमार पुत्र केवल कृष्ण का एक प्लाट खाली पड़ा हुआ है। इसके आगे बिजली विभाग द्वारा कुछ साल पहले एक ट्रांसफार्मर लगाया गया था, जिस कारण प्लाट धारक को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्लाट धारक राजकुमार ने बताया कि उसके द्वारा उसके प्लाट के आगे से मकान बनाने को लेकर 2 साल पहले बिजली निगम में ट्रांसफार्मर हटाने को लेकर एक शिकायत भी दी गई थी लेकिन उस पर बिजली निगम द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। बताया गया है कि देर रात कोई अज्ञात वाहन ट्रांसफार्मर के पोल को टक्कर मारकर तोड़ गया था जिस कारण कॉलोनी की बिजली प्रभावित हो गई। रविवार सुबह जब बिजली विभाग के कनिष्ठ अभिनेता विजेंद्र सिंह के नेतृत्व में कर्मचारियों ने ट्रांसफार्मर को नीचे उतार लिया और पोल को बदलने लगे तो प्लाट मालिक राजकुमार व अन्य दर्जनों लोगों ने प्लाट के आगे लगे हुए ट्रांसफार्मर को लगाने का विरोध किया और कहा कि वह ट्रांसफार्मर उसके प्लाट के आगे लगाने की बजाय कहीं अन्य जगहों पर लगा ले क्योंकि उसने प्लाट में अपने मकान का निर्माण करना है जिसको लेकर उन्हें परेशानी आ रही है। बिजली कर्मचारियों को कहीं पर भी ट्रांसफार्मर लगने के लिए जगह नहीं दिखाई नहीं दी तो उन्होंने वहीं पर ट्रांसफर लगना शुरू कर दिया जिसको लेकर विवाद बढ़ गया। प्लाट मालिक ने कहा कि वह किसी भी हालत में प्लाट के आगे ट्रांसफार्मर नहीं लगने देगा। विवाद इतना बढ़ गया कि बिजली कर्मचारियों ने सूचना देकर पुलिस को मौके पर बुला लिया। इस दौरान कई घंटे तक कॉलोनी की बिजली बंद रही।

प्लाट मालिक राजकुमार का कहना है कि वह अपना मकान बनाना चाहता है लेकिन उसके प्लाट के आगे ट्रांसफार्मर लगा होने के कारण वह मकान नहीं बना रहा। उसने बताया कि वह 2 साल पहले भी बिजली निगम में ट्रांसफार्मर हटाने के लिए शिकायत दे कराया था और ट्रांसफार्मर कहीं और लगाने के लिए वह एस्टीमेट के मुताबिक खर्चा भी देने को तैयार है लेकिन बिजली कर्मचारी ट्रांसफार्मर नहीं हटा रहे। कनिष्ठ अभियंता विजेंद्र कुमार का कहना है कि ट्रांसफार्मर 11000 केवी की लाइन पर लगा हुआ है जिस कारण कहीं और स्थानांतरित करने में मुश्किल आ रही है और ना ही कहीं जगह मिल रही है। कई घंटे भी जाने के बाद कॉलोनी वासियों ने बीच बचाव कर मामला शांत करवाया और बिजली बहाल करवाई गई।

सिरसा। पकड़े गए आरोपी पुलिस हिरासत में। फोटो :हरिभूमि

पशुधन चोरी के आरोप में चार गिरफ्तार, केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

- पुलिस ने पशु व चोरी के लिए प्रयोग किया गया वाहन बरामद किया

सीआईए ऐलनाबाद पुलिस टीम ने सुराग जुटाते हुए गांव तलवाड़ा खुर्द क्षेत्र में स्थित एक घर में बने बाड़े से 5 बकरियां चोरी करने के मामले में चार युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। सीआईए ऐलनाबाद प्रभारी जगदीश चंद्र ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान बजरंग पुत्र कुंभाराम, मनोज पुत्र कुंदन लाल, विनोद कुमार पुत्र साहब राम व रामू पुत्र रतनलाल निवासी वार्ड नंबर 24 रावतसर जिला हनुमानगढ़ राजस्थान के रूप में हुई है। उन्होंने बताया की भोजा राम पुत्र बालू राम निवासी टिब्बा दया सिंह थेहड गांव तलवाडा खुर्द तहसील ऐलनाबाद जिला सिरसा ने पुलिस को दी शिकायत में बतलाया की बीती 9 फरवरी की रात्रि के समय अज्ञात लोगों द्वारा बाड़े से पांच बकरियां को चोरी करके ले गए थे। उन्होंने बताया कि शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ पशुधन चोरी का अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। उन्होंने बताया कि ऐलनाबाद सीआईए की एक पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को काबू कर लिया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ कर उनकी निशानदेही पर चोरीशुदा संपत्ति व वारदात में प्रयुक्त गाड़ी बरामद कर ली है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है।

धोखाधड़ी से लिया लोन, तीन पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

जिला के गांव पन्नीवाला मोटा निवासी व्यक्ति के हस्ताक्षरों का इस्तेमाल कर लोन लेने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज किया है। जिन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है, उनमें संदीप डूडी निवासी गांव पन्नीवाला मोटा, ब्रहमपाल निवासी गली कबीर स्कूल वाली प्रेमनगर, सिरसा व रमेश निवासी फतेहाबाद शामिल हैं।

समन आने पर पीड़ित का पता चला

पुलिस को दी शिकायत में गांव पन्नीवाला मोटा निवासी हरपत राम ने बताया कि उसके पास कुछ दिन पूर्व विशाल श्योकंद जेएमआईसी सिरसा की कोर्ट से एक सम्मन आया, जिसमें पता चला कि उसके नाम पर श्रीराम सिटी यूनियन फाइनेंस लिमिटेड से एक लोन चल रहा था। किश्त न भरने के चलते कंपनी ने कोर्ट में केस डाला हुआ था। वह अपनी बेटी के साथ उक्त फाइनेंस कंपनी में गया, जहां पूछताछ पर पता चला कि उसके नाम एक बाइक का लोन हुआ है। हालांकि उन्होंने फाइनेंस कंपनी अधिकारियों से किसी भी लोन बाबत इंकार किया तो उन्होंने कागजात दिखाए, जिस पर उसके हस्ताक्षर थे। इस पर उसने तुरंत संदीप से संपर्क किया तो उसने कहा कि अभी तो दो ही लोन लिए हैं, आगे-आगे देखते जाओ। खाली कागजों पर हस्ताक्षर के साथ-साथ चैक भी मेरे पास पड़े हैं।

मुझे अपने सभी शौक पूरे करने हैं। लोन तो तुम्हें ही भरना पड़ेगा। पीड़ित ने बताया कि संदीप ने पहले भी उसे विश्वास में लेकर एक ट्रैक्टर उसके नाम एचडीएफसी बैंक से लोन पर ले लिया था। जिस संबंधी उसने एक दरखास्त थाना ओढां में लगाई थी और आरोपी ने थाने में माफी मांगते हुए लोन सेटलमेंट कर दिया था। पुलिस ने जांच के बाद पीड़ित की शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

अकाउंटेंट एसो. ने बिजी व टेली सॉफ्टवेयर पर करवाया सेमिनार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

दि सिरसा अकाउंटेंट एसोसिएशन की ओर से टैक्स संबंधित सॉफ्टवेयर बिजी व टेली पर एक सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान राजीव सिंगला ने की। मीडिया प्रभारी रोबिन गर्ग ने बताया कि टेली साफ्टवेयर पर हिसार से टेली टीम संजय मेहता, राकेश, डिंपल व बिजी सॉफ्टवेयर पर सिरसा से राजकमल चमडिय़ा ने प्रोजेक्टर के माध्यम से टैक्स संबंधित व ई-कॉमर्स व व्यापार में जरूरत के अनुसार आए अपडेट की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई। इन सॉफ्टवेयर के माध्यम से अपने अपडेट प्रणाली से कम समय में अच्छे तरीके से काम को आसान किया जा सकता है।

संजय मेहता ने टेली प्राइम 6.0 की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई। राजकमल चमडिय़ा ने बताया कि एआई टेक्नोलोजी को अपनाने से लेखांकन पेशे को बढ़ावा मिलेगा। मंच संचालन सहसचिव कर्ण कथूरिया ने किया। वरिष्ठ सरंक्षक रमेश बंसल व राजेश महिपाल ने अतिथिगणों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रानियां, सिरसा, डिंग से रोहित गर्ग, नरेंद्र, कुलदीप, भूपेंद्र, राजेश, विजय, दीपक, महेश, दिनेश, अभिनव ने भाग लिया। एसोसिएशन की ओर से कार्यक्रम के अंत में टेली टीम हिसार व बिजी टीम को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

दुकानदार के साथ धोखाधड़ी पुलिस ने दर्ज किया केस

सिरसा। शहर के परशुराम चौक के निकट गांधी कॉलोनी में दुकान संचालक से ए.सी. मंगवाकर राशि से इंकार करने मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस को दिए बयानों में ई-ब्लॉक निवासी मदन मेहता ने बताया कि वह अनुकूल एयर कंडीशन के नाम से दुकान करता है। उसने बताया कि बीती 9 दिसंबर 2024 को उसकी दुकान पर रोहित अरोड़ा नाम का व्यक्ति आया। उसने कहा कि वह दिल्ली व गुडग़ांव में ए.सी. बनाने का काम करता है। उसने 13 ए.सी. की मांग की। 29300 रुपए प्रति ए.सी. के हिसाब से रेट तय हो गया। उसके बाद रोहित अरोड़ा ने कहा कि वह घर जाकर अपनी पत्नी कोमल व भाई पंकज से बात करके आपको बता देगा। उसने फोन कर ए.सी. घर भेजने को कहा। मेहता ने रोहित अरोड़ा से कहा कि वह एडवांस पेमेंट जमा करवा दे तो उसने कहा कि ये 13 ए.सी. मेरे घर संतनगर कॉलोनी हिसार रोड सिरसा पर भेज देना, वहीं पेमेंट कर दूंगा।

ठेके से नकदी चोरी करने का आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। पुलिस गिरफ्त में पकड़ा गया आरोपी।

जाखल पुलिस ने शराब ठेके के आफिस से लाखों की नकदी चोरी करने के मामले में कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए युवक की पहचान अनवर सिंह पुत्र बीकर सिंह निवासी चुलड़ खुर्द जिला संगरूर, पंजाब के रूप में हुई है।

ये था मामला : पुलिस ने उसके पास से 1 लाख 70 हजार 200 रुपये की नकदी भी बरामद की है। थाना जाखल प्रभारी एसआई राधेश्याम ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 23 जनवरी को फ्रेंडस कालोनी, टोहाना निवासी ईश कुमार सरना की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार उसने फतेहाबाद जिले में शराब के ठेके ले रखे हैं। उसकी जाखल में माया पैलेस के सामने टीसीपी ठेका नाम से दुकान है। ठेके के साथ ही उसने ऑफिस बनाया हुआ है जिसे अनवर सिंह पुत्र बीकर सिंह निवासी चुल्हड़ कलां संभालता है। अनवर ऑफिस में रखे 3 लाख 82 हजार 200 रुपये लेकर फरार हो गया है। इस मामले में जाखल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की। इस मामले में जांच अधिकारी द्वारा आरोपी के बारे में अहम सुराग जुटाते हुए उसे गिरफ्तार कर नकदी बरामद कर ली है। पकड़े गए युवक से पूछताछ की जा रही है।

कन्हड़ी में दो किसानों की सैकड़ों फुट केबल चोरी

फतेहाबाद। जिले में ट्यूब्वैलों से केबल चोरी होने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। गत रात्रि भी चोरों ने गांव कन्हड़ी में दो किसानों के खेतों से 205 फुट केबल चोरी कर ली। इस बारे किसानों द्वारा थाना शहर टोहाना पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव कन्हड़ी निवासी सुनील व बलजीत ने कहा है कि उनकी गांव में कृषि भूमि है। उन्होंने अपने खेतों में ट्यूब्वैल लगाए हुए है। सुबह जब वह अपने खेतों में गए तो उन्हें पता चला कि रात को अज्ञात चोर उनके खेतों में घुस गए और वहां बने कमरों के ताले तोडक़र वहां से ट्यूब्वैलों की केबल, इन्वर्टर-बैटरी व गैस चूल्हा चोरी कर ले गए हैं।

श्री मदभागवत कथा के समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ओढां

राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित हनुमान मंदिर में आयोजित सात दिवसीय श्री मदभागवत कथा के समापन पर मंदिर कमेटी द्वारा हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। र वि वा र को सुबह 9 बजे मंदिर के पुजारी महेंद्र शर्मा व आकाश शर्मा द्वारा मुख्य यजमान मास्टर रामसिंह, रणवीर जांगू व रोहताश गोदारा के हाथों पूजा अर्चना कारवाई गई। 9.30 बजे मंदिर परिसर में मंत्रोच्चारण के साथ हवन यज्ञ प्रारंभ किया गया। जिसमें मुख्य यजमानों व उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने हवन यज्ञ में आहुतियां डाली। इसके बाद आरती की गई और प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर के पुजारी महेंद्र शर्मा ने बताया कि मंदिर में 9 फरवरी से 15 फरवरी तक कथा व्यास राधिका द्वारा 7 दिन श्री मदभागवत कथा व रात्रि को नानी बाई रो मायरो प्रस्तुत किया।

स्वयंसेवकों ने ली पर्यावरण संरक्षण की शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

खालसा त्रिशताब्दी राजकीय महाविद्यालय रतिया में रविवार को एक दिवसीय एनएसएस कैंप का लगाया गया। एनएसएस कैंप का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुमित्रा सांगवान ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना को महाविद्यालय में लागू करने का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्र सेवा की भावना को जागृत करना है। ऐसी गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थी, समाज के लोगों के साथ मिलकर समाज के हित के कार्य करते हैं। आज के कैम्प में महाविद्यालय की दोनों यूनिटों के स्वयंसेवकों ने भाग लिया। एनएसएस यूनिट द्वितीय के प्रभारी प्रो. सुरेन्द्र सभरवाल ने कहा कि एनएसएस स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से छात्र छात्राओं के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करना इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य है। सेवा के माध्यम से शिक्षा यह एनएसएस का उद्देश्य है।

धर्म- कर्म

मनुष्य को अपने जीवन में धर्म-कर्म करते रहना चाहिए

जीवन के सभी पापों का जनक लोभ है : जैन मुनि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

अनाज मंडी रोड जैन स्थानक में आज मनीष मुनि महाराज, अतिमुक्त मुनि महाराज ठाणे 3 ने जैन श्रद्धालुओं को प्रवचन करते हुए कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में धर्म-कर्म करते रहना चाहिए क्योंकि धर्म-कर्म करने से ही मनुष्य का जीवन सफल होता है। उन्होंने कहा कि अगर मनुष्य धर्म-कर्म नहीं भी कर पाता तो उसे पाप कर्म नहीं करने चाहिए क्योंकि जो मनुष्य पाप कर्म करता है उसे उसे के पाप कर्मों का फल इस जन्म में ही भुगतना पड़ता है। मनीष मुनि महाराज ने कहा कि कि जो मनुष्य अपने जीवन में धर्म ध्यान को अपनाता है, उस मनुष्य का जीवन सफल हो जाता है और उसके जीवन की कठिनाइयां भी खत्म हो जाती है। जैन मुनि ने लोभ को दुख का कारण बतलाते हुए कहा कि शरीर व मन के समस्त रोग लोभ से पैदा होते हैं। लोभ की मात्रा घटती नहीं, मगर दिनों दिन घटने की बजाय निरंतर बढ़ती चली जाती है। प्रभु महावीर ने कहा ज्यों-ज्यों लाभ होता है त्यों-त्यों लोभ और अधिक मात्रा में बढ़ता चला जाता है। आज तक जितने भी युद्ध, मनमुटाव, हिंसा,अत्याचार या अनाचार हुए हैं उसके पीछे एक ही कारण लोभ का रहा है। इंसान की इच्छाएं अनंत होती हैं जो कदापि पूर्ण नहीं हो पाती। इंसान खाली हाथ आता है एवं एक दिन खाली हाथ ही प्रस्थान कर जाता है। लोभ तन का, मन का, धन का, कुटुम्ब कबिला, जमीन जायदाद का या पद प्रतिष्ठा का नानाभांति जीवन में प्रगट होता रहता है। मन में हजारों कल्पनाएं उभरती रहती है। जैन मुनि ने इस लोभ को जीतने के लिए संतोष का मार्ग बतलाया जैन श्रावकों के लिए परिग्रह परिणाम व्रत की व्याख्या की। वस्तुओं की मर्यादाओं से ही मन पर काबू पाया जा सकता है। राजा महाराजाओं के युद्ध इसी लोभ के चलते हुए हैं। खाने को कहा जाता है तो दो रोटी की जरूरत पड़ती है। फिर पता नहीं इंसान इतना लोभ में क्यों डूबा जा रहा है। कृपण व्यक्ति के पास लक्ष्मी आ भी जाए फिर भी वह इसका उपयोग नहीं कर पाता। कहावत है कीड़ी संचे तीतर खाये अर्थात संचय तो किडिया करती जाती है खाने वाला कोई अन्य ही होता है। लोभ को पाप का बाप भी कहा जाता है। सारे पाप इसी के इर्द गिर्द घूमते रहते है।